

पिलपिलाना अ.क्रि. (अनु.) पिलपिला होना अथवा हो जाना।

पिलवाना प्रे. (देश.) 1. पिलाने का कार्य किसी अन्य से कराना 2. पेलने/पेरने का कार्य किसी अन्य से कराना।

पिलाई स्त्री. (देश.) 1. पीने/पिलाने की क्रिया, भाव अथवा पारिश्रमिक 2. पेलने/पिलवाने की क्रिया, भाव अथवा मजदूरी।

पिलाना स.क्रि. (देश.) 1. पीने में प्रवृत्त करना, पान कराना 2. पीने के लिए देना 3. द्रव डालना, उँडेलना ला.अर्थ. किसी के मन में कोई बात बिठा देना।

पिल्लका स्त्री. (तत्.) मादा हाथी, हथिनी।

पिल्ला पुं. (देश.) कुत्ते का नर बच्चा।

पिल्ली स्त्री. (देश.) कुत्ते का मादा बच्चा, पिलिया।

पिव पुं. (तद्.) पिया।

पिवाना स.क्रि. (तद्.) पिलाना।

पिशंग पुं. (तत्.) लाली लिए हुए भूरा रंग।

पिशाच पुं. (तत्.) 1. भूत-प्रेत आदि के समान एक योनि जिसके प्राणी भीषण और उग्र रूप वाले होते हैं तथा निंदनीय कर्म करते हैं ला.अर्थ. पिशाचों के समान वीभत्स तथा जघन्य कर्म करने वाला व्यक्ति 2. अति दुष्ट व्यक्ति जैसे-नर-पिशाच।

पिशाचघ्न वि. (तत्.) पिशाचों का नाश करने वाला।

पिशाच चतुर्दशी स्त्री. (तत्.) पिशाचों के लिए बलि देने की विशेष तिथि, चैत्र कृष्ण चतुर्दशी।

पिशाचपति पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

पिशाचबाधा स्त्री. (तत्.) 1. किसी के शरीर में पिशाच का आवेश, पिशाच संचार 2. वह कष्ट जो किसी पिशाच के उपद्रवों के कारण प्राप्त हो।

पिशाचभाषा स्त्री. (तत्.) पैशाची प्राकृत नामक भाषा।

पिशाच संचार पुं. (तत्.) पिशाचबाधा।

पिशाचिका स्त्री. (तत्.) 1. पिशाच योनि की स्त्री 2. पिशाच-पत्नी।

पिशाची स्त्री. (तत्.) पिशाचिका, पिशान स्त्री।

पिशित पुं. (तत्.) कच्चा मांस टि. संस्कृत में कच्चा मांस खाने वाले व्यक्ति, राक्षस अथवा भेड़िए को पिशाताशन अथवा पिशिताशी कहा जाता है।

पिशुन वि. (तत्.) 1. नीच 2. क्रूर 3. चुगलखोर पुं. (तत्.) 1. गर्भिणी स्त्रियों को बाधा पहुँचाने वाला प्रेत 2. एक दूसरे की बुराई कर लड़ाई कराने वाला व्यक्ति 3. केसर 4. कपास 5. कौआ।

पिष्ट वि. (तत्.) पिसा हुआ, चूर्ण किया हुआ पुं. (तत्.) पिसी हुई वस्तु।

पिष्ट-पेषण पुं. (तत्.) 1. पिसे हुए (आटे) को फिर पीसना 2. किए हुए कार्य को व्यर्थ ही दोबारा करना, व्यर्थ कार्य करना 3. एक ही बात को बार-बार कहना।

पिष्टान्न पुं. (तत्.) पीसे हुए अन्न से बना व्यंजन/पकवान।

पिष्टि स्त्री. (तत्.) 1. पीसा हुआ अन्न, अन्न का चूर्ण (आटा आदि) 2. चावल अथवा दाल की पीठी/पिट्ठी।

पिसनहारा पुं. (देश.) 1. गेहूँ आदि पीसनेवाला पुरुष 2. अन्नादि पीसकर अपनी जीविका चलाने वाला पुरुष।

पिसनहारी स्त्री. (देश.) 1. पीसा जाना, चूर्ण किया जाना 2. बहुत अधिक कष्ट पाना 3. घोर परिश्रम करना 4. शोषित होना अथवा किया जाना।

पिसवाना प्रे.क्रि. (देश.) पीसने में किसी को प्रवृत्त करना, पीसने का कार्य किसी अन्य से कराना।

पिसाई स्त्री. (देश.) 1. पीसने की क्रिया, भाव या मजदूरी 2. पीसने का व्यवसाय।

पिसान पुं. (तद्. <पिष्टान्न) पीसा हुआ अन्न (आटा आदि)।

पिसाना स.क्रि. (देश.) पीसने का कार्य किसी अन्य से कराना।